

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 12 मई, 2022

वशिव प्रवासी पक्षी दविस

इस वर्ष 08 मई को वशिव भर में 'वशिव प्रवासी पक्षी दविस' (WMBD) का आयोजन कयिा गया। वशिव प्रवासी पक्षी दविस (WMBD) एक वार्षिकि जागरूकता अभयान है, जसिका उद्देश्य प्रवासी पक्षियों और उनके आवासों के संरक्षण की आवश्यकता पर प्रकाश डालना है। इस आयोजन के तहत प्रवासी पक्षियों, उनके पारस्थितिकि महत्त्व, उनके समक्ष मौजूद चुनौतियों और संरक्षण के लयि अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता के संबंध में वैश्विकि जागरूकता बढ़ाने में मदद की जाती है। इसे संयुक्त राष्ट्र की दो संधियों- 'वन्यजीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर सम्मेलन' एवं 'अफ्रीकन-यूरेशियन वॉटरबर्ड एग्रीमेंट' (AEWA) और एक गैर-लाभकारी संगठन (एनवायरनमेंट फॉर द अमेरिका) के सहयोग से संयुक्त रूप से मनाया जाता है। 'वशिव प्रवासी पक्षी दविस' को पहली बार वर्ष 2006 में मनाया गया था। पक्षियों के बीच कई अलग-अलग प्रवासन पैटर्न देखे जाते हैं। अधिकांश पक्षी उत्तरी क्षेत्रों से प्रजनन के लयि दक्षिणी मैदानों की ओर पलायन करते हैं। हालाँकि कुछ पक्षी अफ्रीका के दक्षिणी हिस्सों में प्रजनन करते हैं और सर्दियों में उत्तरी मैदान की ओर पलायन करते हैं।

ऑपरेशन दुधी

हाल ही में ऑपरेशन दुधी (Operation Dudhi) के जीवित सैनिकों को असम राइफल्स द्वारा सम्मानित कयिा गया। वर्ष 1991 में असम राइफल्स द्वारा जम्मू और कश्मीर में कयिे गए एक एकल आतंकवाद वरिधी अभयान में 72 आतंकवादियों को मार गरिया गया था। यह ऑपरेशन 3 मई, 1991 को शुरू कयिा गया था। बटालियन द्वारा 72 आतंकवादियों को मार गरिया गया तथा 13 अन्य को गरिफ्तार कयिा गया था। इस ऑपरेशन के दौरान भीषण गोलाबारी में सैनिक राम कुमार आर्य और कामेश्वर प्रसाद शहीद हो गए और आर.के. यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे, यह ऑपरेशन एक बटालियन द्वारा चलाया गया था जसिमें नायब सूबेदार पदम बहादुर छेत्री की कमान के तहत 14 अन्य रैंकों के साथ एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (JCO) शामिल थे। यह कसिी भी सुरक्षा बल द्वारा चलाया गया अब तक का सबसे सफल आतंकवाद रोधी अभयान है।

टमाटर फ्लू

हाल ही में केरल राज्य के कई हिस्सों में टमाटर फ्लू के मामले दर्ज कयिे गए। इस वायरल बीमारी ने बड़ी संख्या में बच्चों को अपना शिकार बनाया है। टमाटर फ्लू या टोमैटो फ्लू एक सामान्य वायरल संक्रमण है, जसिमें पाँच वर्ष से कम उमर के बच्चों को बुखार आता है। आमतौर पर त्वचा में जलन और शरीर में पानी की कमी के साथ इस बीमारी की शुरुआत होती है। फ्लू से संक्रमित बच्चे के शरीर में टमाटर की तरह चकते बन आते हैं, जो आमतौर पर लाल रंग के होते हैं, इसलिये इसे 'टमाटर फ्लू' या 'टमाटर बुखार' कहा जाता है। वर्तमान में यह संक्रमण केवल केरल के कोल्लम ज़िले के कुछ हिस्सों में बताया गया है, लेकिन स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कयिदि निवारक उपाय नहीं कयिे गए तो संक्रमण अन्य क्षेत्रों में भी फैल सकता है।